पाठ ३ फूल और काँटा

कविता का सारांश

इस कविता में कवि ने दो पौधों या फूलों का उदाहरण देकर यह समझाने की कोशिश की है कि एक जैसी परवरिश, वातावरण और संसाधनों के बावजूद भी हर व्यक्ति या वस्तु का व्यवहार अलग होता है।

दोनों पौधे एक ही जगह उगते हैं, एक ही पौधे से पोषण पाते हैं, उन पर एक जैसी चाँदनी, वर्षा और हवा का असर होता है। फिर भी, एक पौधा काँटे उगाता है जो दूसरों को चोट पहुँचाता है, जबकि दूसरा फूल बनकर तितलियों और भौंरों को प्रेम से आकर्षित करता है और अपनी सुगंध से सबको खुश करता है।

कवि अंत में यह संदेश देता है कि केवल अच्छे कुल (परिवार या जाति) में जन्म लेना ही महानता की पहचान नहीं है, बल्कि महानता तो व्यक्ति के गुणों और व्यवहार से पहचानी जाती है।

शब्दार्थ:

- **जनम लेते** :- जन्म लेते, पैदा होते
- **पालता** :- पालन करता, संभालता
- **चमकता** :- दमकता, उजाला फैलाता
- **चाँदनी** :- चंद्रप्रकाश, चाँद की रोशनी
- **मेह** :- वर्षा, बारिश
- **हवाएँ बही** :- पवन चली, वायु प्रवाहित हुई
- **सदा** :- लगातार, निरंतर
- **ढंग** :- तरीक़ा, स्वभाव
- **छेद कर** :- चुभाकर, भेद कर
- **फाड़ देता** :- चीर देता, तोड़ देता
- **बसन** :- वस्त्र, परिधान
- **पर** :- पंख
- **कतर** :- काट देता
- **भौंर** :- भंवरा
- **अनूठा रस** :- अद्भुत या अनोखा रस
- **निज** :- अपनी
- **सुर शीश** :- भगवान का सिर
- **कुल** :- परिवार
- **बड़प्पन** :- महानता

पाठ से

मेरी समझ से

(क) कविता के आधार पर नीचे दिए गए प्रश्नों का सटीक उत्तर कौन-सा है? उनके सामने तारा (★) बनाइए। कुछ प्रश्नों के एक से अधिक उत्तर भी हो सकते हैं।

1. **कविता में काँटे के बारे में कौन-सा वाक्य सत्य है?**

- काँटा अपने आस-पास की सुगंध को नष्ट करता है।
- काँटा तितलियों और भौंरों को आकर्षित करता है।
- काँटा उँगलियों को छेदता है और वस्त्र फाड़ देता है। ★
- काँटा पौधे को हानि पहुँचाता है।

2. **कविता में फूल और काँटे में समानताओं और विभिन्नताओं का उल्लेख किया गया है। निम्नलिखित में से कौन-सा वाक्य इन्हें सही रूप में व्यक्त करता है?**

- फूल सुंदरता का प्रतीक है और काँटा कठोरता का।
- फूल और काँटे के बारे में लोगों के विचार समान होते हैं।
- फूल और काँटे एक ही पौधे पर उगते हैं, लेकिन उनके स्वभाव भिन्न होते हैं। ★
- फूल और काँटे को समान देखभाल मिलती है फिर भी उनके रंग-ढंग अलग होते हैं।

3. **कविता के आधार पर कौन-सा निष्कर्ष उपयुक्त है?**

- व्यक्ति का कुल ही उसके सम्मान का आधार होता है।
- व्यक्ति के कार्यों के कारण ही लोग उसका सम्मान करते हैं।
- कुल की प्रतिष्ठा हमेशा व्यक्ति के गुणों से बड़ी होती है।
- यदि व्यक्ति अच्छे कार्य करता है तो उसके कुल को प्रसिद्धि मिलती है। ★

4. **कविता के अनुसार निम्नलिखित में से कौन-सा कथन 'बड़प्पन' के लिए सर्वाधिक उपयुक्त है?**

- धन-दौलत और ताकत से व्यक्ति के बड़प्पन का पता चलता है।
- कुल के बड़प्पन की प्रशंसा व्यक्ति की कमियों को ढक देती है।
- बड़प्पन व्यक्ति के गुणों, स्वभाव और कर्मों से पहचाना जाता है। ★
- कुल का नाम व्यक्ति में बड़प्पन की पहचान का मुख्य आधार है।

(ख) हो सकता है कि आपके समूह के साथियों ने अलग-अलग या एक से अधिक उत्तर चुने हों। अपने मित्रों के साथ चर्चा कीजिए कि आपने ये उत्तर क्यों चुने?

उत्तर: मित्रों से चर्चा करते समय यह तर्क दें कि –

1. काँटे के बारे में सत्य: काँटा उँगलियाँ छेदता और वस्त्र फाड़ता है।
2. फूल और काँटे में समानता-विभिन्नता: एक ही पौधे पर उगते हैं, पर स्वभाव भिन्न होता है।

3. उपयुक्त निष्कर्ष: अच्छे कार्य से कुल को प्रसिद्धि मिलती है।
4. बड़प्पन: गुणों, स्वभाव और कर्मों से पहचाना जाता है।

पंक्तियों पर चर्चा

(क) "मेह उन पर है बरसता एक सा,

एक सी उन पर हवायें हैं बही।

पर सदा ही यह दिखाता है हमें,

ढंग उनके एक से होते नहीं।"

उत्तर: इन पंक्तियों में यह बताया गया है कि फूल और काँटे दोनों पर एक जैसी बारिश होती है, एक जैसी हवा चलती है — यानी उन्हें समान वातावरण और परिस्थितियाँ मिलती हैं। फिर भी दोनों का व्यवहार अलग होता है। यह हमें यह सिखाता है कि एक जैसे माहौल में पले-बढ़े लोग भी एक जैसे नहीं होते — हर व्यक्ति का स्वभाव, सोच और कर्म अलग हो सकते हैं। इस पंक्ति से हमें यह सीख मिलती है कि व्यक्ति के आचरण से ही उसकी पहचान बनती है, न कि सिर्फ उसके पालन-पोषण से।

(ख) "किस तरह कुल की बड़ाई काम दे,

जो किसी में हो बड़प्पन की कसर।"

उत्तर: इस पंक्ति का अर्थ है कि अगर किसी व्यक्ति में अच्छे गुण या बड़प्पन की कमी है, तो उसके ऊँचे कुल या अच्छे परिवार की प्रशंसा कोई मायने नहीं रखती। कुल की प्रतिष्ठा तभी सार्थक है जब व्यक्ति स्वयं अपने गुणों से श्रेष्ठ हो। यह पंक्ति हमें यह सिखाती है कि केवल अच्छे कुल में जन्म लेना महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि व्यक्ति का आचरण और कर्म ही असली बड़प्पन की पहचान होते हैं।

मिलकर करें मिलान

इस कविता में 'फूल' और 'काँटा' के उदाहरण द्वारा लोगों के स्वभावों के अंतर और समानताओं की ओर संकेत किया गया है। दूसरे शब्दों में, 'फूल' और 'काँटा' प्रतीक के रूप में प्रयोग किए गए हैं। अपने साथियों के साथ मिलकर चर्चा कीजिए कि फूल और काँटा किस-किस के प्रतीक हो सकते हैं। इन्हें उपयुक्त प्रतीकों से जोड़िए—

उत्तर:

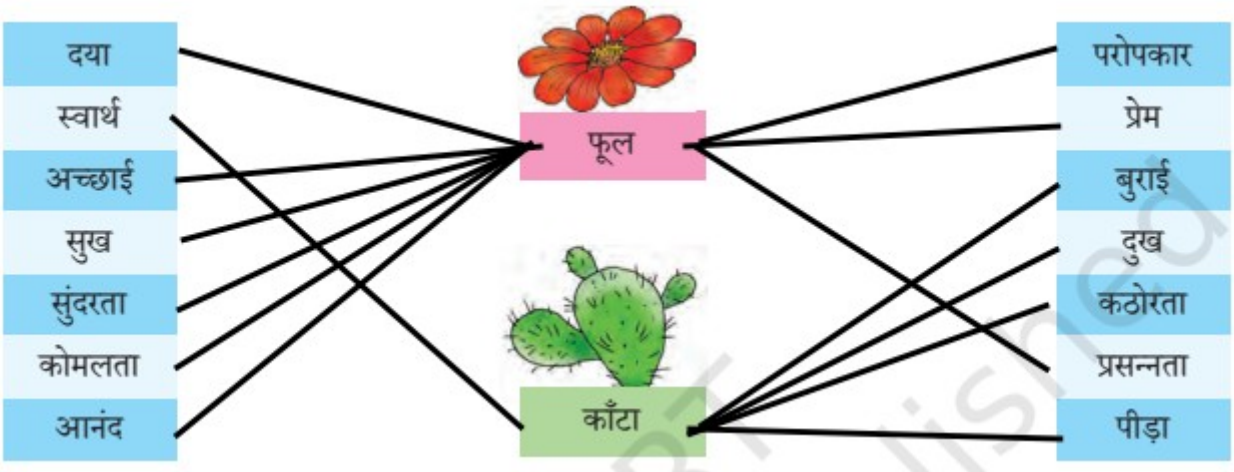

सोच-विचार के लिए

कविता को एक बार पुन: ध्यान से पढ़िए, पता लगाइए और लिखिए—

(क) कविता में ऐसी कौन-कौन सी समानताओं का उल्लेख किया गया है जो सभी पौधों पर समान रूप से लागू होती हैं?

उत्तर: कविता में निम्नलिखित समानताओं का उल्लेख किया गया है जो सभी पौधों पर एक समान रूप से लागू होती हैं—

- सभी पौधे एक ही जगह जन्म लेते हैं।
- सभी को एक ही पौधा पालता है।
- उन पर एक जैसा चाँद चमकता है और एक जैसी चाँदनी बिखेरता है।
- उन पर एक जैसी वर्षा होती है।
- सभी पर एक जैसी हवा बहती है।

(ख) आपको फूल और काँटे के स्वभाव में मुख्य रूप से कौन-सा अंतर दिखाई दिया?

उत्तर: फूल का स्वभाव कोमल, मधुर और आनंद देने वाला है। वह तितलियों और भौंरों को अपनी सुगंध और रस से आकर्षित करता है।

जबकि काँटे का स्वभाव कठोर और हानिकारक है — वह उँगलियाँ चुभाता है, वस्त्र फाड़ देता है, और तितलियों तथा भौंरों को नुकसान पहुँचाता है।

(ग) कविता में मुख्य रूप से कौन-सी बात कही गई है? उसे पहचानिए, समझिए और अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर: कविता का मुख्य संदेश यह है कि सिर्फ अच्छे कुल या माहौल में जन्म लेना ही व्यक्ति को श्रेष्ठ नहीं बनाता। असली बड़प्पन व्यक्ति के स्वभाव, गुण और कर्मों में होता है। जैसे फूल और काँटे एक जैसी परिस्थितियों में पनपते हैं, पर दोनों का स्वभाव अलग होता है — उसी तरह अच्छे गुणों और व्यवहार से ही व्यक्ति की पहचान बनती है।

(घ) "किस तरह कुल की बड़ाई काम दे, जो किसी में हो बड़प्पन की कसर।" उदाहरण देकर समझाइए।

उत्तर: इस पंक्ति का अर्थ है कि यदि व्यक्ति में अच्छे गुण नहीं हैं, तो उसके अच्छे कुल की प्रशंसा भी व्यर्थ है।

उदाहरण: अगर कोई राजघराने में जन्मा व्यक्ति दूसरों के साथ बुरा व्यवहार करता है, घमंडी होता है और गलत काम करता है, तो लोग उसकी आलोचना ही करेंगे। इसके विपरीत, एक साधारण परिवार से आया व्यक्ति यदि ईमानदार, दयालु और मेहनती हो, तो सभी उसकी सराहना करेंगे।

(ङ) "है खटकता एक सब की आँख में, दूसरा है सोहता सुर शीश पर।" लोग कैसे स्वभाव के व्यक्तियों की प्रशंसा करते हैं और कैसे स्वभाव वाले व्यक्तियों से दूर रहना पसंद करते हैं?

उत्तर: अच्छा स्वभाव और मधुर व्यवहार ही लोगों को प्रिय बनाता है।

- लोग उन व्यक्तियों की प्रशंसा करते हैं जो विनम्र, मददगार, मधुर बोलने वाले और दूसरों को आनंद देने वाले होते हैं — जैसे फूल।
- वहीं, जो व्यक्ति कटु बोलते हैं, दूसरों को चोट पहुँचाते हैं या अहंकारी होते हैं, उनसे लोग दूर रहना पसंद करते हैं — जैसे काँटा।

अनुमान और कल्पना से

अपने समूह में मिलकर चर्चा कीजिए—

(क) कल्पना कीजिए कि चाँदनी, हवा और मेघ केवल एक पौधे पर बरसते हैं। बाकी पौधे इन सबके बिना कैसे दिखेंगे और उनके जीवन पर इसका क्या प्रभाव होगा?

उत्तर: अगर चाँदनी, हवा और वर्षा केवल एक पौधे को मिलें, तो बाकी पौधे सूखे, कमजोर और मुरझाए हुए दिखेंगे। उनका विकास रुक जाएगा और वे जल्दी मुरझा सकते हैं। इससे पता चलता है कि जीवन में सभी को समान अवसर और संसाधन मिलने चाहिए।

(ख) यदि सभी पौधे एक जैसे होते तो दुनिया कैसी लगती?

उत्तर: अगर सभी पौधे एक जैसे होते, तो दुनिया बहुत एकरस, नीरस और बोरिंग लगती। न तो विविध रंग होते, न आकार, न कोई विशेषता। हर जगह एक ही जैसा दृश्य होता। इसलिए प्रकृति की विविधता ही इसे सुंदर और रोचक बनाती है।

(ग) यदि काँटे न होते और हर पौधा केवल फूलों से भरा होता तो क्या होता?

उत्तर: यदि काँटे न होते, तो कुछ पौधों की रक्षा करना मुश्किल हो जाता। काँटे कई बार जानवरों या शत्रुओं से पौधे की रक्षा करते हैं। केवल फूल होने पर पौधे सुंदर तो लगते, लेकिन शायद अधिक नाजुक और असुरक्षित हो जाते।

(घ) कल्पना कीजिए कि एक तितली काँटे से मित्रता करना चाहती है, उनके बीच कैसा संवाद होगा?

उत्तर: संवाद रूप में

- तितली: "काँटे भाई, क्या हम मित्र बन सकते हैं?"
- काँटा: "मैं तो डरता हूँ कि मेरी नुकीली बातों से तुमको दुख न हो जाए।"
- तितली: "अगर तुम थोड़ा कोमल व्यवहार करो, तो हम अच्छे मित्र बन सकते हैं।"
- काँटा: "ठीक है, मैं कोशिश करूँगा कि अपने स्वभाव को थोड़ा बदल सकूँ।"
- यह संवाद हमें सिखाता है कि हर स्वभाव में बदलाव संभव है यदि इच्छा हो।

(ङ) कल्पना कीजिए कि आपको किसी काँटे, फूल या दोनों के गुणों के साथ जीवन जीने का अवसर मिलता है। आप किसके गुणों को अपनाना चाहेंगे? कारण सहित बताइए।

उत्तर: मैं फूल के गुणों को अपनाना चाहूँगा, क्योंकि वह कोमलता, सौंदर्य और दूसरों को खुशी देने का प्रतीक है। वह बिना किसी स्वार्थ के सुगंध और सुंदरता बाँटता है।

हालाँकि कभी-कभी काँटे जैसे गुण भी ज़रूरी होते हैं — जैसे आत्मरक्षा और दृढ़ता। इसलिए मैं दोनों के संतुलित गुण अपनाना चाहूँगा — फूल की कोमलता और काँटे की हिम्मत।

Free worksheets, NCERT Solutions, Learning material & more at www.onepointlearning.com

शब्द से जुड़े शब्द

नीचे दिए गए रिक्त स्थानों में 'बड़प्पन' से जुड़े शब्द अपने समूह में चर्चा करके लिखिए—

उत्तर:

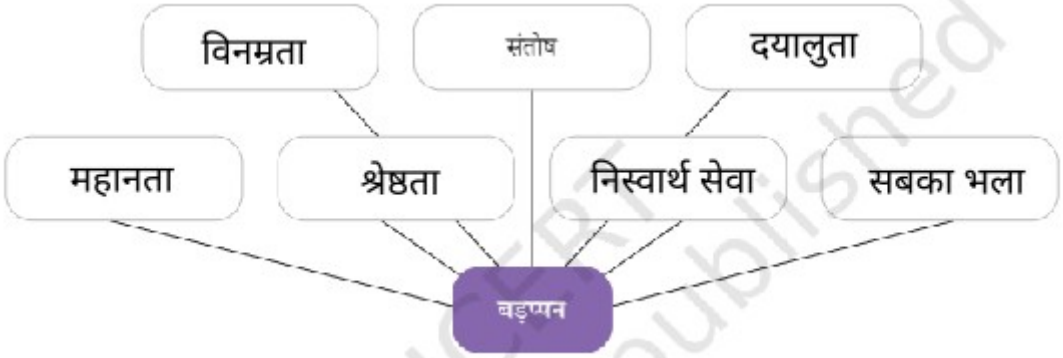

बड़प्पन

'बड़प्पन' शब्द 'बड़ा' और 'पन' से मिलकर बना है। इसका अर्थ होता है — बड़ाई, श्रेष्ठ या बड़ा होने का भाव, महत्व, गौरव। इसका उपयोग मुख्य रूप से व्यक्तित्व, गुण और चरित्र की ऊँचाई या महानता बताने के लिए किया जाता है, जैसे — उनकी सादगी और बड़प्पन ने सबका मन जीत लिया।

नीचे कुछ शब्द दिए गए हैं जो किसी भाव को व्यक्त करते हैं। इनमें से जो शब्द 'बड़प्पन' के भाव को व्यक्त करते हैं, उन पर एक गोला बनाइए, जो बड़प्पन का भाव व्यक्त नहीं करते हैं, उनके नीचे रेखा खींचिए।

उत्तर:

कविता की रचना

"फूल लेकर तितलियों को गोद में,

भौंर को अपना अनूठा रस पिला।

निज सुगंधों औ निराले रंग से,

है सदा देता कली जी की खिला।"

इस पंक्ति में रेखांकित शब्द पर ध्यान दीजिए। क्या आपने इस शब्द को पहले कहीं पढ़ा है? यह शब्द है— 'और'। कविता में 'व' वर्ण नहीं लिखा गया है। कई बार बोलते हुए हम शब्द का अंतिम ध्वनि उच्चारित नहीं करते हैं। कवि भी कविता की लय के अनुसार ऐसा प्रयोग करते हैं। इस कविता में ऐसी अनेक विशेषताएँ छिपी हैं, जैसे— 'प्यार-डूबी तितलियों' के स्थान पर 'प्यार-डुबी तितलियों' का प्रयोग किया गया है। हर दूसरी पंक्ति का अंतिम शब्द मिलती-जुलती ध्वनि वाला यानी 'तुकान्त' है आदि।

(क) अपने समूह के साथ मिलकर लय और विशेषताओं की सूची बनाइए। अपने समूह की सूची को कक्षा में सबके साथ साझा कीजिए।

उत्तर: कविता की लय और विशेषताएँ:

- **तुकांत पंक्तियाँ**: हर दो पंक्तियों के अंत में मेल खाते शब्द हैं, जैसे पालता–डालता, बही–नहीं, बसन–तन।
- **मानवीकरण (Personification):** फूल, काँटा, तितली, भौंरा — सभी को मानवीय भावनाओं और क्रियाओं से जोड़ा गया है।
- **अनुप्रास अलंकार (Alliteration):** एक ही वर्ण/ध्वनि की पुनरावृत्ति जैसे "प्यार-डुबी तितलियाँ", "छेद कर काँटा"।
- **विलक्षण प्रयोग/लय के अनुसार शब्द परिवर्तन:** जैसे "औ" का प्रयोग "और" की जगह, "डुबी" का प्रयोग "डूबी" की जगह।
- **विरोधाभास (Contrasts):** फूल और काँटे की तुलना से विपरीत गुणों का वर्णन — कोमलता बनाम कठोरता।
- **प्रश्नात्मक शैली:** कविता में सवाल पूछकर सोचने को प्रेरित किया गया है — "किस तरह कुल की बड़ाई काम दे..."।
- **भाव प्रधानता:** प्रेम, संवेदनशीलता, क्रूरता, विनम्रता जैसे भाव प्रमुख हैं।

(ख) नीचे इस कविता की कुछ विशेषताएँ और वे पंक्तियाँ दी गई हैं जिनमें ये विशेषताएँ झलकती हैं। विशेषताओं का सही पंक्तियों से मिलान कीजिए। आप कविता की पंक्तियों में एक से अधिक विशेषताएँ भी ढूँढ़ सकते हैं।

कविता की विशेषताएँ	कविता की पंक्तियाँ
1. एक ही वर्ण से शुरू होने वाले दो शब्द एक ही पंक्ति में साथ-साथ आए हैं।	1. किस तरह कुल की बड़ाई काम दे 2. भौंर को अपना अनूठा रस

2. मुहावरे का प्रयोग किया गया है। **3. प्रश्न पूछा गया है।** **4. प्राकृतिक वस्तुओं, जैसे— पेड़-पौधों में मानवीय कार्यों और भावनाओं का वर्णन किया गया है।** **5. एक-दूसरे के विपरीत अर्थ वाले शब्दों का प्रयोग किया गया है।**	**पिला** **3. फाड़ देता है किसी का वर बसन** **4. है खटकता एक सब की आँख में, दूसरा है सोहता सुर शीश** **5. है सदा देता कली जी की खिला** **6. फूल लेकर तितलियों को गोद में**

उत्तर: यहाँ विशेषताओं का कविता की पंक्तियों से मिलान किया गया है:

1. एक ही वर्ण से शुरू होने वाले दो शब्द एक ही पंक्ति में साथ-साथ आए हैं।

   6. फूल लेकर तितलियों को गोद में

2. मुहावरे का प्रयोग किया गया है।

   कोई स्पष्ट मुहावरा इस कविता में नहीं दिखता।

3. प्रश्न पूछा गया है।

   १. किस तरह कुल की बड़ाई काम दे

4. प्राकृतिक वस्तुओं, जैसे— पेड़-पौधों में मानवीय कार्यों और भावनाओं का वर्णन किया गया है।

   २. भौंर को अपना अनूठा रस पिला (भौंरे का रस पीना)

   ६. फूल लेकर तितलियों को गोद में (फूल का गोद लेना)

   ५. है सदा देता कली जी की खिला (कली का खिलना, 'जी की खिला' में मानवीय भावना)

5. एक-दूसरे के विपरीत अर्थ वाले शब्दों का प्रयोग किया गया है।

   ४. है खटकता एक सब की आँख में, दूसरा है सोहता सुर शीश (खटकता - सोहता)

कविता की रचना

(क) आगे कविता की कुछ पंक्तियाँ दी गई हैं। इनमें कुछ शब्द हटा दिए गए हैं और साथ में मिलते-जुलते अर्थ वाले शब्द भी दिए गए हैं। इनमें से प्रत्येक शब्द से वह पंक्ति पूरी करके देखिए जो शब्द उस पंक्ति में जँच रहे हैं, उन पर घेरा बनाइए।

1. हैं जनम लेते जगह में एक ही,

एक ही पौधा उन्हें है पालता।

_____ में उन पर चमकता _____ (भी, रात, रात्रि, निशा) (शशि, चंद्रमा, चाँद, राकेश, इंदु)

एक ही सी चाँदनी है डालता।

उत्तर: हैं जनम लेते जगह में एक ही,

एक ही पौधा उन्हें है पालता।

रात में उन पर चमकता चाँद (भी,रात, रात्रि, निशा) (शशि, चंद्रमा,चाँद, राकेश, इंदु)

एक ही सी चाँदनी है डालता।

2. _____ उन पर है बरसता एक सा, (मेह, बादल, मेघ, जलद)

एक सी उन पर _____ हैं बही। (वायु, पवन, समीर, मारुत, बयारें, हवायें)

पर सदा ही यह दिखाता है हमें,

ढंग उनके एक से होते नहीं।

उत्तर: मेह उन पर है बरसता एक सा, (मेह, बादल, मेघ, जलद)

एक सी उन पर हवायें हैं बही। (वायु, पवन, समीर, मारुत, बयारें,हवायें)

पर सदा ही यह दिखाता है हमें,

ढंग उनके एक से होते नहीं।

(ख) अपने समूह में चर्चा करके पता लगाइए कि कौन-सा शब्द रिक्त स्थानों में सबसे अधिक साथियों को जँच रहा है और क्यों?

उत्तर: सबसे अधिक साथियों को उपयुक्त लगे ये शब्द —

1. "रात": क्योंकि यह बोलचाल का सामान्य और स्पष्ट शब्द है; अन्य विकल्प जैसे "रात्रि" या "निशा" कविता की लय में भारी लगते हैं।

   "चाँद": यह सीधा और आम शब्द है, बच्चों के लिए भी समझने में सरल है। "शशि" या "इंदु" जैसे शुद्ध या साहित्यिक शब्द कठिन हो सकते हैं।

2. "मेह": कविता में प्रयुक्त पारंपरिक शब्द है जो पुरानी कविताओं में बरसात के लिए आता है और लय में फिट बैठता है।

   "हवायें": यह सबसे सहज और आमतौर पर प्रयोग होने वाला शब्द है। "समीर", "मारुत" जैसे शब्द कठिन या काव्यात्मक हो सकते हैं।

निष्कर्ष: सरल, सुबोध और लय में फिट बैठने वाले शब्दों को अधिकतर साथियों ने पसंद किया।

विशेषण

"भौर का है बेध श्यामतन!"

'श्यामतन' का अर्थ है—काला शरीर। यहाँ 'श्याम' शब्द भौंरे के 'शरीर' की विशेषता बता रहा है, अर्थात् 'श्याम' 'विशेषण' है। 'तन' एक संज्ञा शब्द है जिसकी विशेषता बताई जा रही है अर्थात् 'तन' 'विशेष्य' शब्द है।

(क) नीचे दी गई पंक्तियों में विशेषण और विशेष्य शब्दों की पहचान करके लिखिए—

	पंक्ति	विशेषण	विशेष्य
1.	भौंर का है बेध देता श्याम तन	श्याम	तन
2.	फाड़ देता है किसी का वर बसन	_____	_____
3.	भौंर को अपना अनूठा रस पिला	_____	_____
4.	निज सुगंधों औ निराले ढंग से	_____	_____

उत्तर:

	पंक्ति	विशेषण	विशेष्य
1.	भौंर का है बेध देता श्याम तन	श्याम	तन
2.	फाड़ देता है किसी का वर बसन	वर	बसन
3.	भौंर को अपना अनूठा रस पिला	अनूठा	रस
4.	निज सुगंधों औ निराले ढंग से	निराले	ढंग

(ख) नीचे दिए गए विशेष्यों के लिए अपने मन से विशेषण सोचकर लिखिए—

1. **फूल** :- सुंदर सुगंधित
2. **काँटा** :- कठोर नुकीला
3. **मेह** :- ठंडा रिमझिम
4. **चाँद** :- शांत चमकदार
5. **रात** :- अंधेरी रहस्यमयी

पाठ से आग

आपकी बात

(क) यदि आपको फूल और काँटे में से किसी एक को चुनना हो तो आप किसे चुनेंगे और क्यों?

उत्तर: मैं फूल चुनूँगा। क्योंकि:

- फूल सुंदरता, सुगंध, और आनंद का प्रतीक है। यह दूसरों को खुशी देता है और तितलियों-भौंरों को आकर्षित करता है।
- फूल की तरह मैं भी अपने व्यवहार से दूसरों के जीवन में सुख और प्रसन्नता लाना चाहता हूँ।
- फूल कोमलता और प्रेम का प्रतीक है, जो मेरे लिए महत्वपूर्ण है।

विश्लेषण: फूल का सकारात्मक प्रभाव मुझे प्रेरित करता है, हालाँकि काँटे की मजबूती भी जरूरी है।

(ख) कविता में बताया गया है कि फूल अपनी सुगंध और व्यवहार से चारों ओर प्रसन्नता और आनंद फैलाता है। आप अपने मित्रों या परिवार के जीवन में प्रसन्नता और आनंद लाने के लिए क्या-क्या करते हैं और क्या-क्या कर सकते हैं?

उत्तर: मैं जो करता हूँ:

- मैं अपने दोस्तों के साथ मजेदार कहानियाँ और चुटकुले साझा करता हूँ।
- परिवार में मैं छोटे-छोटे काम, जैसे माँ की मदद करना या भाई-बहन के साथ खेलना, करता हूँ।
- मैं सबके साथ प्यार से बात करता हूँ और उनकी परेशानियों को सुनता हूँ।

मैं जो कर सकता हूँ:

- मैं अपने दोस्तों के लिए छोटे-छोटे उपहार, जैसे हस्तनिर्मित कार्ड, बना सकता हूँ।
- परिवार के साथ समय बिताने के लिए पिकनिक या खेल की योजना बना सकता हूँ।
- स्कूल में किसी की मदद करके, जैसे नोट्स साझा करके, उनके चेहरे पर मुस्कान ला सकता हूँ।

विश्लेषण: छोटी-छोटी चीजें, जैसे प्यार और सहयोग, दूसरों को खुशी दे सकती हैं।

(ग) 'फूल' और 'काँटे' एक-दूसरे से बिलकुल भिन्न हैं फिर भी साथ-साथ पाए जाते हैं। अपने आस-पास से ऐसे अन्य उदाहरण दीजिए।

उत्तर:

- वस्तुएँ: नमक और चीनी—नमक नमकीन होता है, चीनी मीठी। दोनों अलग स्वाद के हैं, लेकिन रसोई में साथ पाए जाते हैं।
- स्वभाव: शांत और क्रोधी—कुछ लोग शांत रहते हैं, कुछ जल्दी गुस्सा करते हैं, फिर भी एक ही परिवार में रहते हैं।
- स्वाद: खट्टा और मीठा—खट्टे नींबू और मीठे आम अलग स्वाद देते हैं, लेकिन दोनों फल एक ही बगीचे में उगते हैं।
- रंग: काला और सफेद—काला गहराई दिखाता है, सफेद शांति, लेकिन दोनों रंग एक चित्र में साथ दिखते हैं।
- अनुभव: सुख और दुख—सुख हमें खुशी देता है, दुख हमें सिखाता है, लेकिन दोनों जीवन का हिस्सा हैं।

विश्लेषण: ये उदाहरण दिखाते हैं कि विपरीत चीजें साथ-साथ रहकर जीवन को संतुलित बनाती हैं।

(घ) "छेद कर काँटा किसी की उँगलियाँ, फाड़ देता है किसी का वर बसन।" आप अपने आस-पास की किसी समस्या का वर्णन कीजिए जिसे आप 'काँटे' के समान महसूस करते हैं। उस समस्या का समाधान भी सुझाइए।

उत्तर: समस्या: मेरे स्कूल के रास्ते में बहुत सारा कचरा बिखरा रहता है। यह 'काँटे' की तरह है, क्योंकि यह गंदगी फैलाता है, पैर में चुभ सकता है, और बीमारियाँ फैला सकता है।

समाधान:

- मैं और मेरे दोस्त मिलकर एक सफाई अभियान शुरू कर सकते हैं।
- स्कूल में एक कचरा प्रबंधन समिति बना सकते हैं, जो नियमित सफाई कराए।
- लोगों को जागरूक करने के लिए पोस्टर बना सकते हैं, जिसमें कचरा न फैलाने की अपील हो।

विश्लेषण: यह समस्या पर्यावरण को नुकसान पहुँचाती है, लेकिन सामूहिक प्रयास से इसे हल किया जा सकता है।

सृजन

(क) इस कविता के बारे में एक चित्र बनाइए। आप चित्र में जहाँ चाहें, अपने मनोनित रंग भर सकते हैं। आप किन रंगों या केवल उपलब्ध रंगों की सहायता से भी चित्र बना सकते हैं। चित्र बिल्कुल मौलिक होनी चाहिए। इसकी चिंता करने की भी आवश्यकता नहीं है। आप अपनी कल्पना को जैसे मन करे, वैसे साकार कर सकते हैं।

उत्तर: छात्र स्वयं करें

(ख) मान लीजिए कि फूल और कांटे के बीच बातचीत हो रही है। उनकी बातचीत या संवाद अपनी कल्पना से लिखिए।

संवाद का विषय निम्नलिखित हो सकता है—

- **उनके गुणों और विशेषताओं पर चर्चा**
- **यह समझाना कि उनका जीवन में क्या योगदान है**

उदाहरण:

- **फूल — मैं दूसरे के जीवन में सुगंध और सुख फैलाने आया हूँ।**
- **कांटा — और मैं संबंधों की याद दिलाने और सुरक्षा देने के लिए हूँ।**

उत्तर: संवाद:

फूल : नमस्ते, काँटे! देखो, मेरी सुगंध और रंगों से तितलियाँ कितनी खुश हैं। मैं सबके चेहरे पर मुस्कान लाता हूँ।

काँटा : हाँ, फूल, तुम तो बहुत सुंदर हो। लेकिन मैं भी कम नहीं। मैं तुम्हारी और पौधे की रक्षा करता हूँ, ताकि कोई जानवर हमें नुकसान न पहुँचाए।

फूल : सही कहते हो। तुम्हारी वजह से मैं सुरक्षित हूँ। लेकिन लोग तुमसे डरते हैं, क्योंकि तुम चुभ जाते हो।

काँटा : हा-हा, यह तो मेरा काम है! मैं कठोर हूँ, ताकि कोई हमें हल्के में न ले। तुम सुख बाँटते हो, और मैं चुनौतियों की याद दिलाता हूँ।

फूल : हम दोनों मिलकर इस पौधे को खास बनाते हैं, है ना? तुम मजबूती देते हो, और मैं सुंदरता।

काँटा : बिलकुल! हम साथ-साथ हैं, जैसे सुख और दुख। चलो, मिलकर इस बगीचे को और खूबसूरत बनाएँ।

विश्लेषण: यह संवाद फूल और काँटे की पूरक भूमिकाओं को दर्शाता है, जो जीवन में सुख और चुनौतियों के संतुलन को दिखाता है।

वाद-विवाद

विषय बनाकर कक्षा में एक वाद-विवाद गतिविधि का आयोजन कीजिए। इसके लिए विषय है – "जीवन में फूल और काँटे, दोनों की आवश्यकता होती है।"

कक्षा में वाद-विवाद गतिविधि का आयोजन करने के लिए कुछ सुझाव निम्नलिखित हैं –

1. **आपकी कक्षा में पहले से सात-आठ समूह बने होंगे। आधे समूह 'फूल' के पक्ष में तर्क देंगे। आधे समूह 'काँटे' के पक्ष में तर्क देंगे।**
2. **एक समूह निर्णायक मंडल की भूमिका निभाएगा। निर्णायक मंडल का काम होगा –**
   - **तर्कों को ध्यान से सुनना।**
   - **प्रस्तुति शैली और तर्कों की गहराई के आधार पर अंकों का निर्धारण करना।**
3. **प्रत्येक समूह को तैयारी के लिए 15 मिनट का समय मिलेगा ताकि वे अपने तर्क तैयार कर सकें और सभी अपने-अपने तर्क मिलकर सोचेंगे और लिखेंगे।**
4. **प्रत्येक समूह को अपने पक्ष में बोलने के लिए तीन-चार मिनट का समय मिलेगा। दूसरा समूह पहले समूह के तर्कों पर एक-दो मिनट में उत्तर देगा या उनसे प्रश्न पूछेगा।**
5. **सभी प्रतिभागियों को एक-दूसरे की बात ध्यान से सुननी होगी। बीच में टोकने की अनुमति किसी को नहीं होगी।**
6. **सभी समूहों का क्रम तय किया जाएगा। वाद-विवाद के लिए क्रम इस प्रकार हो सकता है –**
   - **समूह 1 (फूल के पक्ष में)**
   - **समूह 2 (काँटे के पक्ष में)**
   - **समूह 3 (फूल के पक्ष में)**
   - **समूह 4 (काँटे के पक्ष में) और इसी क्रम से आगे बढ़ेंगे।**
7. **जो समूह निर्णायक मंडल का कार्य कर रहा है, वह वाद-विवाद के अंतराल में तर्क, भाषा कौशल और प्रस्तुति शैली के आधार पर अंकों का निर्धारण करेगा।**
8. **निर्णायक मंडल अंकों के आधार पर विजेता समूह का निर्णय करेगा।**
9. **समूहों के प्रयासों के लिए तालियाँ बजाई जाएँगी और उनकी प्रशंसा की जाएगी। संभव हो तो विजेता समूह को कोई पुरस्कार या प्रमाण पत्र दिया जा सकता है।**
10. **विद्यार्थी वाद-विवाद गतिविधि के अनुभवों पर एक अनुच्छेद भी लिख सकते हैं।**

उत्तर: आपकी कक्षा में वाद-विवाद गतिविधि सफलतापूर्वक आयोजित की जा सकती है, यदि नीचे दिए गए बिंदुओं का पालन किया जाए:

🌸 फूल के पक्ष में तर्क देने वाले समूहों के संभावित तर्क:

- फूल सुंदरता, शांति और प्रेम का प्रतीक हैं।
- वे वातावरण को सुगंधित और आकर्षक बनाते हैं।
- फूल दूसरों को खुशी और सुकून देते हैं।
- जीवन में सकारात्मक सोच और सौम्यता के लिए "फूल जैसे" व्यवहार की आवश्यकता होती है।

🌵 काँटे के पक्ष में तर्क देने वाले समूहों के संभावित तर्क:

- काँटे रक्षा और सतर्कता का प्रतीक हैं।
- वे पौधों को पशु-पक्षियों से बचाते हैं।
- काँटे हमें जीवन की कठिनाइयों और संघर्षों से रूबरू कराते हैं।
- जीवन केवल सुख का नाम नहीं; काँटे जैसे अनुभव हमें मजबूत बनाते हैं।

निर्णायक मंडल की भूमिका:

- सभी तर्कों को ध्यान से सुनेंगे।
- तर्कों की गहराई, प्रस्तुति शैली और भाषा के प्रयोग के आधार पर अंक देंगे।
- निष्पक्षता बनाए रखेंगे और एक विजेता समूह का चुनाव करेंगे।

📝 वाद-विवाद गतिविधि के अनुभवों पर एक अनुच्छेद (उदाहरण):

- वाद-विवाद गतिविधि का अनुभव
- हमारी कक्षा में आज "जीवन में फूल और काँटे, दोनों की आवश्यकता होती है" विषय पर वाद-विवाद हुआ। हम सभी ने दो पक्षों में बँटकर अपने-अपने तर्क प्रस्तुत किए। एक पक्ष ने फूलों के गुणों को बताया तो दूसरे ने काँटों की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। इस गतिविधि से हमें यह समझ में आया कि जीवन में केवल सुंदरता या केवल संघर्ष नहीं होता, बल्कि दोनों का संतुलन जरूरी है। मैंने सीखा कि दूसरों की बात ध्यान से सुनना और अपने विचार को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करना कितना महत्वपूर्ण होता है। निर्णायक मंडल ने निष्पक्ष निर्णय किया और सभी समूहों के प्रयासों की सराहना की गई। यह अनुभव बहुत ही ज्ञानवर्धक और आनंददायक रहा।

आज की पहेली

चित्रों को सही नामों के साथ रेखा खींचकर जोड़िए:

उत्तर: 1 — 5

2 — 4

3 — 1

4 — 6

5 —3

6 — 2

वर्णन	चित्र

1. **बबूल**

फूल	पीले या सफेद छोटे गुच्छेदार।
काँटे	लंबे और नुकीले।
विशेषता	इसका उपयोग ईंधन, चारा और औषधियों में किया जाता है।

2. **गुलाब**

फूल	विभिन्न रंगों में, विशेष रूप से लाल, सफेद, और गुलाबी।
काँटे	तने पर छोटे और तीखे।
विशेषता	सजावटी पौधा और इत्र बनाने के लिए प्रसिद्ध।

3. **नागफनी**

फूल	रंग-बिरंगे, पीले, नारंगी या गुलाबी।
काँटे	पूरी सतह पर छोटे या लंबे।
विशेषता	सूखे क्षेत्रों में पाया जाता है और सजावटी पौधे के रूप में भी उगाया जाता है।

4. **बेर**

फूल	छोटे और हल्के पीले।
काँटे	शाखाओं पर छोटे-छोटे।
विशेषता	इसके फल खाद्य और औषधीय होते हैं।

5. **करौंदा**

फूल	छोटे, सफेद और सुगंधित।
काँटे	शाखाओं पर छोटे-छोटे और तीखे।
विशेषता	फूल सजावटी और मधुर सुगंध वाले होते हैं। इसके फल से अचार, जैम और जेली बनाई जाती हैं। यह शुष्क और पहाड़ी क्षेत्रों में उगता है।

6. **नीबू**

फूल	छोटे, सफेद और हल्की गुलाबी छाया लिए हुए। सुगंधित और गुच्छेदार।
काँटे	शाखाओं पर छोटे और तीखे काँटे।
विशेषता	फल खट्टे और विटामिन सी से भरपूर होते हैं। इनका उपयोग पेय पदार्थ, अचार, औषधियों और खाना बनाने में किया जाता है।

© NCERT not to be republished